जीवन की कुप्रवृत्तियों पर नियंत्रण रखने के लिये राज्य की आवश्यकता है। इसी कारण इसे एक आवश्यक बुराई (necessary evil) के रूप में स्वीकार किया गया है। व्यक्ति अपने उन्नति के लिये अधिकाधिक कार्य स्वयं कर सके इसलिये व्यक्तिवादी राज्य के कार्य क्षेत्र को सीमित रखना चाहते हैं। हालांकि सीमितता को लेकर मतैक्य का अभाव है फिर भी समानताओं को देखते हुये व्यक्तिवादियों ने राज्य के कार्य क्षेत्र को निम्न क्षेत्रों तक सीमित रखने की बात कही है। जैसे एच. स्पेन्सर ने इस प्रकार से उल्लिखित किया है –

(1.) बाह्य आक्रमण से सुरक्षा

(2.) आंतरिक क्षेत्र में शांति और व्यवस्था स्थापित करना

(3.) चोरी, डकैती आदि से संपत्ति की रक्षा करना

(4.) व्यक्तियों द्वारा किये गये वैध समझौतों को लागू करना।

(5.) मित्र और अन्य व्यक्तियों ने असहाय एवं अन्य व्यक्तियों की सहायता करना तथा संक्रामक रोगों और आपदाओं